ये अव्यक्त इशारे

निर्मल और निर्मान बन विश्व नव-निर्माण करो

15-07-2023

शुभ-भावना, शुभ-कामना का बीज ही है -निमित्त-भाव और निर्मान-भाव। हद का मान नहीं, लेकिन निर्मान। कभी भी सभ्यता को छोड़ करके सत्यता को सिद्ध नहीं करना। सभ्यता की निशानी है निर्मानता। यह निर्मानता निर्माण का कार्य सहज करती है। जब तक निर्मान नहीं बने तब तक निर्माण नहीं कर सकते।

Be humble and construct the new world

The seed of good wishes and pure feelings is to have the feelings of being an instrument and to have humility; not to want limited respect, but to be humble. Never try to prove the truth by letting go of your manners. The sign of manners is humility. This humility easily enables you to carry out the task of renewal. Until you become humble, you cannot carry out renewal.